



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, बोरवार, 28 अगस्त, 1997/6 भाद्रपद, 1919

हिमाचल प्रदेश सरकार

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 19 मई, 1987

संख्या स्वास्थ्य-क-ए०(3)-30/97.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से, हिमाचल प्रदेश स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग में सहायक निदेशक (फिजियोथेरापि) (वर्ग-I, राजपत्रित) के पद के लिए इस अधिसूचना से संलग्न उपाबन्ध "अ" के अनुसार भर्ती एवं प्रोन्नति नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण सहायक निदेशक (फिजियोथेरापि) (वर्ग-I, राजपत्रित) भर्ती एवं प्रोन्नति नियम, 1997 है।

(2) ये नियम राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित होने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-

वित्तायुक्त एवं सचिव।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग हिमाचल प्रदेश में सहायक निदेशक (फिजियोथेरापि) (वर्ग-I, राजपत्रित) के पद के लिए भर्ती एवं प्रोन्नति नियम

- | | |
|--|-----------------------------------|
| 1. पद का नाम | सहायक निदेशक (फिजियोथेरापि) |
| 2. पदों की संख्या | 1 (एक) |
| 3. वर्गीकरण | वर्ग-I (राजपत्रित) |
| 4. वेतनमान | रु 2200-70-2550-75-3000-100-4000. |
| 5. चयन पद अथवा अचयन पद | चयन |
| 6. सीधी भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु । | 18 से 35 वर्ष : |

परन्तु सीधी भर्ती के लिए आयु सीमा तदर्थ या संविदा पर नियुक्त किए गए पहले से सरकार की सेवा में रत व्यक्तियों सहित अभ्यर्थियों को लागू नहीं होगी :

परन्तु यह और कि यदि तदर्थ आधार पर नियुक्त किया गया अभ्यर्थी इस रूप में नियुक्ति की तारीख को अधिक आयु का हो गया हो, तो वह तदर्थ या संविदा के आधार पर नियुक्ति के कारण विहित आयु में छूट के लिए पात्र नहीं होगा :

परन्तु यह और कि अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य वर्गों के व्यक्तियों के लिए उच्चतम आयु सीमा में उतनी ही छूट दी जा सकेगी जितनी कि हिमाचल प्रदेश सरकार के साधारण या विशेष आदेशों के अधीन अनुज्ञेय है :

परन्तु यह और भी कि पब्लिक सेक्टर निगमों तथा स्वायत्त निकायों के सभी कर्मचारियों को, जो ऐसे पब्लिक सेक्टर निगमों तथा स्वायत्त निकायों के प्रारम्भिक गठन के समय ऐसे पब्लिक सेक्टर निगमों/स्वायत्त निकायों में आमेलन से पूर्व सरकारी कर्मचारी थे, सीधी भर्ती में आयु की सीमा में ऐसी ही रियायत दी जाएगी जैसी सरकारी कर्मचारियों को अनुज्ञेय है, किन्तु इस प्रकार की रियायत पब्लिक सेक्टर निगमों तथा स्वायत्त निकायों के ऐसे कर्मचारीवृन्द को नहीं दी जाएगी जो पश्चात्तर्वर्ती ऐसे निगमों/स्वायत्त निकायों द्वारा नियुक्त किए गए थे/किए गए हैं और उन पब्लिक सेक्टर निगमों/स्वायत्त निकायों के प्रारम्भिक गठन के पश्चात् ऐसे निगमों/स्वायत्त निकायों की सेवा में अन्तिम रूप से आमेलित किए गए हैं/किए गए थे ।

टिप्पण.--(1) सीधी भर्ती के लिए आयु सीमा की गणना, उस वर्ष के प्रथम दिवस से की जायेगी, जिसमें कि पद (पदों) को यथास्थिति आवेदन आमन्त्रित करने के लिए विज्ञापित किया जाता है या नियोजनालयों को अधिसूचित किया जाता है।

(2) अन्यथा सुगृहित अभ्यर्थियों की दशा में सीधी भर्ती के लिए आयु सीमा और अनुभव आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकेंगी।

7. सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षित न्यूनतम, शैक्षणिक और अन्य अर्हताएं।

(क) अनिवार्य अर्हताएं :

(i) राज्य/केन्द्रीय सरकार द्वारा सम्यक रूप से मान्यता प्राप्त बोर्ड/विश्वविद्यालय से दस जमा दो (मैडिकल ग्रुप) या प्री-मैडिकल हो।

(ii) किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से फिजियोथेरापी और पुनर्वास में डिप्लोमा।

(iii) भारतीय फिजियोथेरापी चिकित्सा एवं पुनर्वास संस्थान मुम्बई से पुनर्वास में स्नातकोत्तर प्रमाण-पत्र कोर्स।

(ख) वांछनीय अर्हताएं :

हिमाचल प्रदेश की रूढ़ियों, रितियों और बोलियों का ज्ञान और प्रदेश में विद्यमान विशिष्ट दशाओं में नियुक्ति के लिए उपयुक्तता।

8. सीधी भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षणिक अर्हतायें प्रोन्नति की दशा में लागू होंगी या नहीं।

आयु : लागू नहीं

शैक्षिक अर्हताएं : लागू हैं

9. परिवीक्षा की अवधि, यदि कोई हो

दो वर्ष, जिसका एक वर्ष से अधिक ऐसी और अवधि के लिए विस्तार किया जा सकेगा जैसा सक्षम प्राधिकारी विशेष परिस्थितियों में और लिखित कारणों से आदेश दें।

10. भर्ती की पद्धति--भर्ती सीधी होगी या प्रोन्नति या प्रतिनियुक्ति या स्थानान्तरण द्वारा और विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता।

शत-प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा, ऐसा न होने पर सीधी भर्ती द्वारा।

11. प्रोन्नति, प्रतिनियुक्ति या स्थानान्तरण की दशा में श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति, प्रतिनियुक्ति या स्थानान्तरण किया जाएगा।

फिजियोथेरेपिस्टों में से प्रोन्नति द्वारा जिनका ग्रेड में 15 वर्ष का नियमित सेवाकाल या 31-3-1991 तक की गई लगातार तदर्थ सेवा यदि कोई हो, को सम्मिलित करके 15 वर्ष के संयुक्त नियमित सेवाकाल के साथ भारतीय फिजियोथेरापी चिकित्सा एवं पुनर्वास संस्थान मुम्बई से पुनर्वास में स्नातकोत्तर प्रमाण-पत्र कोर्स रखते हों।

- (1) प्रोन्नति के सभी मामलों में पद पर नियमित नियुक्ति से पूर्व सम्भरण पद में 31-3-1991 तक की गई तदर्थ सेवा यदि कोई हो, प्रोन्नति के लिए इन नियमों में यथा विहित सेवाकाल के लिए इन शर्तों के अधीन रहते हुए गणना में ली जाएगी कि उन सभी मामलों में जिनमें कोई कनिष्ठ व्यक्ति सम्भरण पद में अपने कुल सेवाकाल (31-3-1991 तक की गई तदर्थ सेवा को शामिल करके) के आधार पर उपर्युक्त निदिष्ट उपबन्धों के कारण विचार किए जाने का पात्र हो जाता है, वहाँ उससे वरिष्ठ सभी व्यक्ति विचार किए जाने के पात्र समझे जाएंगे और विचार करते समय कनिष्ठ व्यक्ति से ऊपर रखे जाएंगे :

परन्तु उन सभी पदधारियों की जिन पर प्रोन्नति के लिए विचार किया जाता है, कम से कम तीन वर्ष न्यूनतम अर्हता सेवा या पद के भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों में विहित सेवा, जो भी कम होगी :

परन्तु यह और भी कि जहाँ कोई व्यक्ति पूर्वगामी परन्तुक की अपेक्षाओं के कारण प्रोन्नति किए जाने सम्बन्धी विचार के लिए अपात्र हो जाता है वहाँ उससे कनिष्ठ व्यक्ति भी ऐसी प्रोन्नति के विचार के लिए अपात्र समझा जाएगा ।

स्पष्टीकरण.—अन्तिम परन्तुक के अन्तर्गत कनिष्ठ पदधारी प्रोन्नति के लिए अपात्र नहीं समझा जाएगा यदि वरिष्ठ अपात्र व्यक्ति भूतपूर्व सैनिक है, जिसे डिमोबिलाईज्ड आर्मांड फोसिज परसोनल (रिजर्वेशन आफ वेकेंसीज इन हिमाचल स्टेट नान टैक्नीकल सर्विसिज) रूलज, 1972 के नियम 3 के प्रावधानों के अन्तर्गत भर्ती किया गया हो तथा इसके अन्तर्गत वरीयता लाभ दिए गए हों या जिन्हें एक्स सर्विसमैन (रिजर्वेशन आफ वेकेंसीज इन दी हिमाचल प्रदेश टैक्नीकल सर्विसिज) रूलज, 1985 के नियम 3 के प्रावधानों के अन्तर्गत भर्ती किया गया हो व इसके अन्तर्गत वरीयता लाभ दिए गए हों ।

- (2) इसी प्रकार स्थायीकरण के सभी मामलों में ऐसे पद पर नियमित नियुक्ति से पूर्व 31-3-1991 तक की गई तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, सेवाकाल के लिए गणना में ली जाएगी :

परन्तु 31-3-1991 तक तदर्थ सेवा को गणना में लेने के पश्चात् जो स्थायीकरण होगा, उसके फलस्वरूप पारस्परिक वरीयता अपरिवर्तित रहेगी ।

12. यदि विभागीय प्रोन्नति समिति विद्यमान हो, तो उसकी संरचना ।

विभागीय प्रोन्नति समिति की अध्यक्षता हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या उस द्वारा नाम निर्देशित सदस्य द्वारा की जाएगी ।

13. भर्ती करने में, जिन परिस्थितियों में हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा ।

जैसी कि विधि द्वारा अपेक्षित है ।

14. सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षा ।

किसी सेवा या पद पर नियुक्ति के लिए अभ्यर्थी का निम्नलिखित होना आवश्यक है:—

(क) भारत का नागरिक, या

(ख) नेपाल की प्रजा, या

(ग) भूटान की प्रजा, या

(घ) तिब्बती शरणार्थी जो 1 जनवरी, 1962 से पूर्व भारत में स्थायी निवास के आशय से आया हो, या

(ङ) भारतीय मूल का कोई व्यक्ति जिसने पाकिस्तान, वर्मा, श्रीलंका, पूर्वी अफ्रीका के देशों, कीनिया, यूगांडा, युनाईटेड रिपब्लिक ऑफ तंजानिया (पहले तांगानिका और जंजीबार), जाम्बिया, मालवा, जेयरे और इथोपिया से भारत में स्थायी निवास के आशय से प्रवास किया है :

परन्तु प्रवर्ग (ख), (ग), (घ) और (ङ) के अभ्यर्थी ऐसे व्यक्ति होंगे जिनके पक्ष में भारत सरकार द्वारा पात्रता प्रमाण-पत्र जारी किया गया हो ।

ऐसे अभ्यर्थी को, जिनके मामले में पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग या अन्य भर्ती प्राधिकरण द्वारा संचालित परीक्षा/साक्षात्कार में प्रविष्ट किया जा सकेगा, किन्तु उसे नियुक्ति का प्रस्ताव, भारत सरकार द्वारा उसे पात्रता का अपेक्षित प्रमाण-पत्र जारी किए जाने के पश्चात् ही दिया जाएगा ।

15. सीधी भर्ती द्वारा पद पर नियुक्ति के लिये चयन ।

सीधी भर्ती के मामले में, पद पर नियुक्ति के लिए चयन, मौखिक परीक्षा के आधार पर, और यदि, यथास्थिति, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग या अन्य भर्ती प्राधिकरण ऐसा करना आवश्यक या समीचीन समझ, तो लिखित परीक्षा या व्यवहारिक परीक्षा के आधार पर किया जाएगा जिसका स्तर/पाठ्यक्रम यथास्थिति, आयोग/अन्य भर्ती प्राधिकरण द्वारा निर्धारित किया जाएगा ।

16. आरक्षण

उक्त सेवा में नियुक्ति, हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा समय-समय पर अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों/पिछड़े वर्गों और अन्य प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए

सेवाओं में आरक्षण की वावत जारी किए गए अनुदेशों के अधीन होगी।

17. विभागीय परीक्षा

(1) सेवा में प्रत्येक कर्मचारी को, समय-समय पर यथा संशोधित विभागीय परीक्षा नियम, 1974 में यथा विहित विभागीय परीक्षा पारित करनी होगी अन्यथा वह निम्नलिखित के लिए पात्र नहीं होगा :—

- (i) आगामी देय दक्षतारोध पार करने के लिए,
- (ii) परिवीक्षा अवधि के पूर्ण होने के पश्चात् भी स्थायीकरण के लिए भी; और
- (iii) अगले उच्चतर पद पर प्रोन्नति के लिए :

परन्तु उस अधिकारी से जिसने इन नियमों के अधिसूचित किए जाने से पूर्व, किन्हीं नियमों के अधीन पूर्णतः या अंशतः विभागीय परीक्षा पारित की है, यथा-स्थिति, पूर्णतया या अंशतया परीक्षा पारित करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी

परन्तु यह और कि ऐसे अधिकारी से जिसके लिए उन नियमों के अधिसूचित किए जाने से पूर्व, कोई विभागीय परीक्षा विहित नहीं की गई थी और जिसने 1 मार्च, 1976 को 45 वर्ष की आयु प्राप्त कर ली हो, उससे विभागीय परीक्षा पारित करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी :

परन्तु यह और भी कि ऐसे अधिकारी से जिसके लिए, इन नियमों के अधिसूचित किए जाने से पूर्व कोई विभागीय परीक्षा विहित नहीं की गई थी और जिसने 1 मार्च, 1976 को 45 वर्ष की आयु प्राप्त नहीं की थी, उससे 50 वर्ष की आयु प्राप्त करने के पश्चात् निम्नलिखित प्रयोजनों के लिए विभागीय परीक्षा पारित करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी :—

- (i) आगामी देय दक्षतारोध पार करने के लिए, और
- (ii) परिवीक्षा अवधि पूर्ण होने के पश्चात् स्थायीकरण के लिए।

(2) किसी अधिकारी से अपनी प्रोन्नति की सीधी व्यक्ति में उच्चतर पद पर प्रोन्नति पर विभागीय परीक्षा पारित करने की अपेक्षा नहीं की जायेगी, यदि उसने निम्नतर राजपत्रित पद पर ऐसी परीक्षा पहले ही पारित की हो।

(3) सरकार, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से असाधारण परिस्थितियों में और कारणों को प्रथम लिखित करके, विभागीय परीक्षा से पूर्णतया या भागतः छूट मंजूर कर सकेगी, परन्तु यह तब तक जब

कि आयु प्राप्त करने की तारीख से पूर्व किसी अन्य उच्चतर प्रोन्नति के लिए विचार किया जाना सम्भाव्य न हो।

18. शिथिल करने की शक्ति

जहां राज्य सरकार की यह राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां यह कारणों की अभिलिखित करके और हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से, आदेश द्वारा, इन नियमों के किन्हीं उपबन्धों को किसी वर्ग या व्यक्तियों के प्रवर्ग या पदों की बाबत शिथिल कर सकेगी।

[Authoritative English text of this Department Notification No. Health A-A(3)-30/97 dated 19-5-1997 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

HEALTH AND FAMILY WELFARE DEPARTMENT (Health-A Section)

NOTIFICATION

Shimla-171002, the 19th May, 1997

No. Health-A-A(3)-30/97.—In exercise of the powers conferred by proviso to Article 309 of the Constitution of India, the Governor, Himachal Pradesh in consultation with the Himachal Pradesh Public Service Commission, is pleased to make the Recruitment and Promotion Rules for the post of Assistant Director (Physiotherapy) Class-I (Gazetted) in the Department of Health and Family Welfare, Himachal Pradesh, as per Annexure 'A' attached to this Notification, namely:—

1. *Short title and commencement.*—(1) These rules may be called the Himachal Pradesh Department of Health and Family Welfare, Assistant Director (Physiotherapy) Class-I (Gazetted) Recruitment and Promotion Rules, 1997.

(2) These rules shall come into force from the date of publication in the Rajpatra, Himachal Pradesh.

By order,

Sd/-,
Financial Commissioner-cum-Secretary.

ANNEXURE "A"

RECRUITMENT AND PROMOTION RULES FOR THE POST OF ASSISTANT DIRECTOR (PHYSIOTHERAPY) (GAZETTED) CLASS-I IN THE DEPARTMENT OF HEALTH AND FAMILY WELFARE, HIMACHAL PRADESH

- | | |
|---------------------|------------------------------------|
| 1. Name of the post | Assistant Director (Physiotherapy) |
| 2. Number of posts | 1 (One) |
| 3. Classification | Class-I (Gazetted) |

- | | |
|---|------------------------------------|
| 4. Scale of pay | Rs. 2200-70-2550-75-3000-100-4000. |
| 5. Whether selection post or non-selection post ? | Selection |
| 6. Age for direct recruitment | Between 18 and 35 years : |

Provided that the upper age limit for direct recruits will not be applicable to the candidates already in service of the Government including those who have been appointed on *ad hoc* or on contract basis :

Provided further that if a candidate appointed on *ad hoc* basis or on contract basis had become overage on the date when he was appointed as such he shall not be eligible for any relaxation in the prescribed age limit by virtue of his such *ad hoc* or contract appointment :

Provided further that upper age limit is relaxable for [Scheduled Castes/Scheduled Tribes/ Other Categories of persons to the extent permissible under the general or special order(s) of the Himachal Pradesh Government :

Provided further that the employees of all the Public Sector Corporations and Autonomous Bodies who happened to be Government servants before absorption in Public Sector Corporations/Autonomous Bodies at the time of initial constitution of such Corporations/Autonomous Bodies shall be allowed age concession in direct recruitment as admissible to Government servants. This concession will not, however, be admissible to such staff of the Public Sector Corporations/Autonomous Bodies who were/are subsequently appointed by such Corporations/Autonomous Bodies and who are/were finally absorbed in the service of such Corporations/Autonomous Bodies after initial constitution of the Public Sector Corporations/Autonomous Bodies.

Note.—(1) Age limit for direct recruitment will be reckoned on the first day of the year in which the post(s) is/are advertised for inviting applications or notified to the employment exchanges or as the case may be.

(2) Age and experience in the case of direct recruitment, relaxable at the discretion of the H. P. Public Service Commission in case the candidate is otherwise well qualified.

Minimum educational and other qualifications required for direct recruits.

Essential Qualification :

- (i) 10+2 (Medical Group) or Pre-Medical from a Board/University duly recognised by the State/Central Government.
- (ii) Diploma in Physiotherapy and rehabilitation from a recognised Institute.
- (iii) Post Graduate certificate course in Rehabilitation from All India Institute of Physiotherapy Medicines and Rehabilitation, Bombay.

Desirable Qualifications :

Knowledge of customs, manners and dialects of Himachal Pradesh and suitability for appointment in the peculiar conditions prevailing in the Pradesh.

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of the promotees?

Age : Not applicable

Educational Qualifications : Applicable

Period of probation, if any

Two years subject to such further extension for a period not exceeding one year as may be ordered by the competent authority in special circumstances and reasons to be recorded in writing.

Method of recruitment—whether by direct recruitment or by promotion, deputation, transfer and the percentage of vacancies to be filled in by various methods.

100% by promotion failing which by direct recruitment.

In case of recruitment by promotion, deputation, transfer, grade from which promotion/deputation/transfer is to be made.

By promotion from amongst the Physiotherapists who possess Post Graduate Certificate Course in Rehabilitation from All India Institute of Physiotherapy Medicines and Rehabilitation, Bombay with 15 years regular or regular combined with continuous *ad hoc* (rendered upto 31-3-1991) service, if any, in the grade.

- (1) In all cases of promotion, the *ad hoc* service rendered in the feeder post upto 31-3-1991, if any, prior to regular appointment to the post shall be taken into account towards the length of service as prescribed in these rules for promotion subject to the conditions that in all cases where a junior person becomes eligible for consideration by virtue of his total length of service (including the service rendered on *ad hoc* basis upto 31-3-1991) in the feeder post in view of the provisions referred to

above, all persons senior to him in the respective category/post/cadre shall be deemed to be eligible for consideration and placed above the junior person in the field of consideration :

Provided that all incumbents to be considered for promotion shall possess the minimum qualifying service of at least three years or that prescribed in the Recruitment and Promotion Rules for the post, whichever is less :

Provided further that where a person becomes ineligible to be considered for promotion on account of the requirements of the preceding proviso, the person(s) junior to him shall also be deemed to be ineligible for consideration for such promotion.

Explanation.—The last proviso shall not render the junior incumbents ineligible for consideration for promotion if the senior ineligible persons happened to be ex-servicemen, recruited under the provisions of Rule 3 of Demobilised Armed Forces Personnel (Reservation of Vacancies in Himachal State Non-Technical Services) Rules, 1972 and having been given the benefit of seniority thereunder or recruited under the provisions of Rule 3 of Ex-Servicemen (Reservation of Vacancies in the Himachal Pradesh Technical Services) Rules, 1985 and having been given the benefit of seniority thereunder.

(2) Similarly, in all cases of confirmation, *ad hoc* service rendered on the feeder post upto 31-3-1991, if any, prior to the regular appointment against such post shall be taken into account, towards the length of service:

Provided that *inter-se* seniority as a result of confirmation after taking into account, *ad hoc* service rendered upto 31-3-1991 shall remain unchanged.

12. If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition ?

13. Circumstances under which the H. P. P. S. C. is to be consulted in making recruitment.

DPC to be presided over by the Chairman, Himachal Pradesh Public Service Commission or a Member thereof, to be nominated by him.

As required under the law

14. Essential requirement for a direct recruitment.

A candidate for appointment to any service or post must be:—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or
- (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, East African countries of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania (Formerly Tanganyika and Zanzibar) Zambia, Malwa, Zaire and Ethiopia with the intention of permanently settling in India :

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to an examination or interview conducted by the Himachal Pradesh Public Service Commission or other recruiting authority, but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

15. Selection for appointment to post by direct recruitment.

Selection for appointment to the post in the case of direct recruitment shall be made on the basis of *viva voce* test if the Himachal Pradesh Public Service Commission or other recruiting authority as the case may be, so consider necessary or expedient by a written test or practical test, the standard/syllabus, etc. of which will be determined by the Commission/other recruiting authority as the case may be.

16. Reservation

The appointment to the service shall be subject to orders regarding reservation in the service for Scheduled Castes/Scheduled Tribes/Backward Classes/Other categories of persons issued by the Himachal Pradesh Government from time to time.

17. Departmental Examination

(1) Every member of the service shall pass a Departmental Examination as prescribed in the Departmental Examination Rules, 1976 as amended from time to time, failing which he shall not be eligible to:—

- (i) Cross the efficiency bar next due;

- (ii) Confirmation in the service even after completion of probationary period; and
- (iii) Promotion to the next higher post :

Provided that an officer who has qualified the Departmental Examination in whole or in part prescribed under any rules before the notification of these rules shall not be required to qualify the whole or in part, of the examination as the case may be:

Provided further that an officer for whom no departmental examination was prescribed prior to the notification of these rules and who has attained the age of 45 years on the 1st March, 1976, shall not be required to qualify the departmental examination prescribed under these rules :

Provided further that an officer for whom no departmental examination was prescribed prior to the notification of these rules and who had not attained the age of 45 years on 1-3-1976, shall not be required to qualify the departmental examination prescribed under these rules after attaining the age of 50 years for the purpose of (i) crossing of efficiency bar next due, and (ii) confirmation in the service after completion of probationary period.

(2) An Officer on promotion to higher post in his direct line of promotion shall not be required to pass the aforesaid examination if he has already passed the same in the lower gazetted post.

(3) The Government may, in consultation with the Himachal Pradesh Public Service Commission, grant in exceptional circumstances and for reasons to be recorded in writing exemption in accordance with the Departmental Examination Rules to any class or category of persons from the departmental examination in whole or in part provided that such officer is not likely to be considered for any other higher promotion before the date of his superannuation.

18. Power to relax

Where the State Government is of the opinion that it is necessary or expedient to do so, it may, by order for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Himachal Pradesh Public Service Commission relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons or posts.